अमर उजाला
75 महोत्सव विश्वास का
• 6 राज्य
• 2 केंद्रशासित प्रदेश
• 22 संस्करण
राजधानी •
वर्ष 21 | अंक 296 | पृष्ठ : 16+6 | मूल्य : चार रुपये

अमर उजाला

नई दिल्ली
शनिवार, 3 फरवरी 2024
माघ कृष्ण-अष्टमी
विक्रम संवत-2080

दूसरा टेस्ट यशस्वी ने खेली टेस्ट में अपनी सबसे बड़ी पारी, लगाया दूसरा शतक...स्पोर्ट्स दिल्ली-एनसीआर

उपलब्धि

43 हजार करोड़ के लक्ष्य को पार करते हुए 60 हजार करोड़ रुपये के निवेश को जुटाने में सफल रहा

यीडा सिटी में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के लिए लक्ष्य से अधिक निवेश

संवाद न्यूज एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) के लिए मिले 43 हजार करोड़ के लक्ष्य को पार करते हुए 60 हजार करोड़ रुपये के निवेश को जुटाने में सफल रहा है। इसमें फिल्म सिटी, डाटा पार्क व मिक्स लैंड यूज जैसी बड़ी परियोजनाएं शामिल नहीं हैं। इन परियोजनाओं को जोड़ दिया जाए तो आंकड़ा एक लाख करोड़ तक पहुंच जाएगा। कंपनियों के साथ हुए समझौते को 15 फरवरी के बाद लखनऊ में होने वाली जीबीसी में धरातल पर उतारने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

लखनऊ में 20 फरवरी के आसपास ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का आयोजन होना है। इसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों व प्राधिकरण क्षेत्र में निवेश के लिए आगे आईं कंपनियों की परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जाएगा। यमुना प्राधिकरण को 43 हजार करोड़ रुपये का लक्ष्य मिला था। यीडा ने अपने लक्ष्य से अधिक निवेश हासिल करते हुए 45 समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। इससे 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आया है। इस निवेश के धरातल पर उतरने से लगभग एक लाख लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

हवाईअड्डे की वजह से यीडा बन रहा निवेश का गढ़

- अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण कार्य शुरू होने के बाद से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की कंपनियां निवेश के लिए आगे आ रही हैं। हाल ही में फिल्म सिटी के लिए विकासकर्ता कंपनी का चयन किया गया है। इसके अलावा 5 डाटा पार्क, 8 मिक्स लैंड, हॉस्पिटैलिटी व इंस्टीट्यूशंस के 11 प्लॉट, सेमीकंडक्टर व एसईजेड पार्क के लिए स्कीम लॉन्च की गई है। इससे भी लगभग 35 हजार करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है।

जीबीसी में जाने वाली प्रमुख कंपनियां	निवेश	रोजगार
सीआईएसएफ आवास परियोजना	50 करोड़	100
एक्सआईएचआई टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड	100 करोड़	3000
नोएडा हवाईअड्डे के पास होटल	200 करोड़	200
डीएस ग्रुप	400 करोड़	500
यूफ्लैक्स लिमिटेड	300 करोड़	500
वेलनेस सेंटर	100 करोड़	1000
कार्गो एंड लॉजिस्टिक हब	600 करोड़	1000
न्यूगेन सॉफ्टवेय टेक्नोलॉजी	1000 करोड़	2500
फन जू टॉयज	1052 करोड़	2000
वीवो मोबाइल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	6990 करोड़	3800

“ जीबीसी के लिए सरकार द्वारा 43 हजार करोड़ रुपये का लक्ष्य दिया गया था। लक्ष्य से अधिक 60 हजार करोड़ रुपये का निवेश मिला है। 45 कंपनियों के साथ हुए समझौते को धरातल पर उतारा जाएगा। -डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ यमुना प्राधिकरण